

कार्ड 6: गर्भावस्था में बच्चे के लिंग के संबंध में जानकारी की इच्छा रखना

अक्सर गर्भवती महिला एक लड़के को ही जन्म दे इस के लिए, परिवार या समाज से एक दबाव बना रहता है, इसके कारण गर्भावस्था में लगभग सभी महिलाओं को बहुत अधिक तनाव महसूस हो सकता है और इससे बच्चे के जन्म के बाद महिला को मानसिक परेशानियाँ हो सकती हैं।

लड़का पैदा करने के लिए किया गया दबाव, तनाव का कारण बनता है अथवा बादमें एक लड़की के जन्म से निराशा हो सकती है। इसलिए, गर्भावस्था के दौरान बच्चे के लिंग से संबंधित जानकारी की इच्छा रखना और उससे होने वाली परेशानियों को समझना और पहचानना महत्वपूर्ण है।



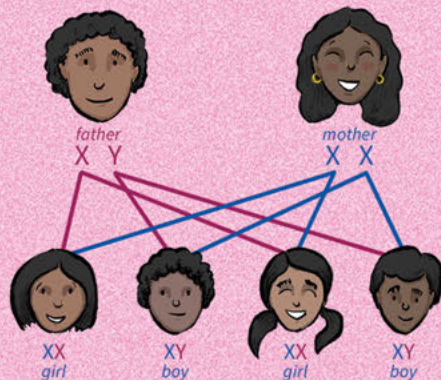
नीचे दिये गए प्रश्नों को पूछें और मिले जवाबों के अनुसार बात करें?

- आप क्या अक्सर चिंता करती है कि क्या आपको एक लड़का पैदा होगा या लड़की?
- आप अपने पति या परिवार द्वारा लड़के के पैदा होने के लिए कितना दबाव महसूस करती हैं?
- क्या आपको लगता है कि एक लड़के का पैदा होना अधिक फायदेमंद है? यदि हाँ, तो इसका कारण थोड़ा विस्तार से बताने के लिए कहें (फायदे क्या हैं, इसका पता करें? उदाहरण के लिए:
 - लड़के लड़कियों की तुलना में अधिक बेहतर हैं,
 - लड़कियों की तुलना में लड़कों की रक्षा करना आसान माना जाता है,
 - लड़कियों की परवरिश करना, बाद में शादी दहेज जैसे आर्थिक बोझ, लड़के बाद में माता-पिता की देखभाल करेंगे, वंश को आगे बढ़ाएंगे, परिवार/समुदाय अपने परिवार के लिए एक उत्तराधिकारी की उम्मीद करता है) –
- पता करें कि क्या लिंग भेदभाव से संबंधित घरेलू हिंसा हुई है



यदि आपको लगता है कि कोई लिंग भेदभाव नहीं है, तो महिला और उसके परिवार की प्रशंसा करें।
सभी को निम्नलिखित उपयोगी सुझाव दें

उपयोगी सुझाव



एक गर्भवती महिला से लड़का या लड़की जन्म लेगी, इस के लिए कौन जिम्मेदार है, इस बारे में परिवार को शिक्षित करें। नीचे दिये गए चित्र के जरिये यह समझाएँ कि यह पिता के गुणसूत्रों के कारण होता है।

लड़कियां शिक्षा, रुपये-पैसे, घरेलू जिम्मेदारियों के क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभा रही हैं और इसलिए उन्हें बोझ नहीं संपत्ति माना जाता है



माँ को अपने पति के साथ इन मुद्दों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें



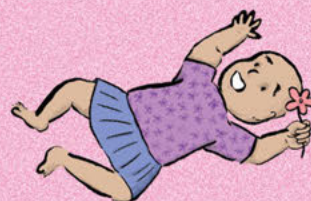
यदि आपको लगता है कि प्रसव के बाद महिला के परिवार में लिंग भेदभाव से जुड़ी समस्याएँ होने की संभावना है, तो महिला के घर जाकर वहाँ की परिस्थिति बदलने का प्रयास करें

बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा चलाए गए कार्यक्रमों की जानकारी दें

पिता और माता की संपत्ति में, एक बेटी परिवार के अन्य सदस्य के बराबर संपत्ति लेने और उसकी देखभाल का काम कर सकती है।

लड़कियों के अच्छे स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए कई तरह की छात्रवृत्ति और योजनाएँ हैं जो भारत सरकार द्वारा संचालित हैं।

गर्भावस्था के दौरान किसी भी स्वास्थ्य केंद्र में पेट में पल रहे बच्चे की लिंग जाँच करने पर सरकार ने प्रतिबन्ध लगा दिया है।



इस बात पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें कि क्या वे अतीत में बच्चे के लिंग को लेकर निराश थीं और उत्तर सुनने के बाद उन्हें ये समझाएँ कि ऐसा करने से कैसे बच्चे के विकास पर असर पड़ सकता है।